मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 42 ■ अंक : 249 ■ गुरुवार, 26 दिसंबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

रेप केस में फंसे कोरियोग्राफर की तारीफ कर फंसीं कियारा

संक्षेप...

एक ही रात में 10 दुकानों में चोरी

डोंबिवली. डोंबिवली रेलवे स्टेशन के पास के इलाके में चोरों ने एक ही रात में 9 से 10 दुकानों में सेंध लगाई और लाखों रुपये का माल उड़ा लिया. यह घटना डोंबिवली रामनगर पुलिस स्टेशन से सटे साईनाथ सोसाइटी, टॉकीज के पास के इलाके और डोंबिवली पश्चिम स्टेशन क्षेत्र की कुछ दुकानों में हुई. सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर आधी रात को दुकानों का शटर तोड़कर चोरी करते साफ नजर आ रहे हैं. इस घटना से दुकानदारों में भय का माहौल है और पुलिस थाने के पास लगातार चोरियां होने से सुरक्षा की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गयी है. रामनगर और विष्णुनगर पुलिस जांच कर रही है. पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है.

विधायक बालाजी किणीकर की हत्या की साजिश नाकाम

- पुलिस ने 2 को लिया हिरासत में, 2 फरार
- ठाणे क्राइम ब्रांच द्वारा पूछताछ जारी
- किणीकर की सुरक्षा बढ़ाई गई

उल्हासनगर/अंबरनाथ. अंबरनाथ के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर की हत्या का षड्यंत्र क्राइम ब्रांच ठाणे ने नाकाम कर दिया है. विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच पुलिस ने अंबरनाथ से 2 को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. इस खबर ने शहर में हड़कम्प मचा दिया है. 2 फरार बताए गए हैं. किणीकर की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है. पकड़े गए युवक किणीकर की हत्या किसके कहने पर और क्यों करना चाहते थे, इसकी पूछताछ पुलिस कर रही है.

NEWS EXCLUSIVE NEWS

विदित हो कि गत कुछ दिनों से शहर में ये खबर फैल गई थी कि किणीकर की हत्या की साजिश करने वाले दो को पुलिस ने पकड़ा है. ये भी जानकारी मिली है कि पुलिस अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए दिल्ली रवाना हो चुकी है. इस हत्या की खबर से किणीकर की पुलिस सुरक्षा बढ़ा दी गई है.

अंबरनाथ से चौथी बार विधायक बने डॉ. बालाजी किणीकर के सगे भाई के पुत्र का विवाह लातूर में गुरुवार को है. वह लातूर के लिए रवाना हो चुके हैं. हत्यारों का प्लान था कि किणीकर की हत्या लातूर में विवाह समारोह के समय कर दी जाए. लेकिन इससे पहले ही ये भेद खुल गया. पुलिस को उनके नाम भी मालूम हो चुके थे. इसलिए उनको पकड़कर पूछताछ की जा रही है. इस खबर से किणीकर समर्थकों को हैरान कर दिया है. वह रोष में हैं. खबर ये भी है कि इसके निषेध में किणीकर समर्थक शहर बंद की तैयारी भी कर रही है. क्या किणीकर इस संबंध में पत्रकार परिषद लेगें. वह विवाह कार्यक्रम में व्यस्त हैं. जैसे ही वह अंबरनाथ आएंगे, शहर में हलचल मचना लाजिमी है. ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है. लेकिन क्राइम ब्रांच की प्रशंसा करनी होगी कि उन्होंने इस गंभीर मामले को जल्द हल कर लिया. वरना शहर में अनर्थ हो जाता.

विधायक ने की पुष्टि

विधायक किणीकर ने इस बात की पुष्टि की है कि उनकी हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा था. पुलिस ने उन्हें पकड़ा है. पुलिस ने एक को खुंटवली और दूसरे को स्वामी नगर से पकड़ा है. तीसरा हाउसिंग बोर्ड निवासी फरार बताया गया है. पुलिस ने पकड़े गए दोनों के नामों की घोषणा नहीं की है.

शहर का रक्तरंजित इतिहास

अंबरनाथ शहर का रक्तरंजित इतिहास है. इससस पहले नरेश गायकवाड़, वसंत पांढरे, प्रसन्न कुलकर्णी, नितिन वारिंगे, देवराम वालुंज, किशोर सुले, रमेश गोसावी, अशोक गायकवाड़ की हत्या अब तक शहर में हो चुकी है.

125 से अधिक रिक्शा चालकों की जांच

40 से अधिक रिक्शा चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई

उल्हास विकास संवाददाता

कल्याण. उप-क्षेत्रीय परिवहन विभाग (आरटीओ) कल्याण के अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को डोंबिवली में रिक्शों का निरीक्षण किया गया. इस निरीक्षण में आरटीओ की टीम द्वारा 125 रिक्शों की जांच की गई. इनमें 40 से अधिक रिक्शा चालकों पर नियमों के उल्लंघन के मामले में पांच हजार से बीस हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया गया.

डोंबिवली में बेलगाम रिक्शा चालकों पर कार्रवाई करने के उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बरकुले के आदेश पर सहायक मोटर वाहन निरीक्षक रोहित पवार, सहायक मोटर वाहन निरीक्षक प्रियंका टपले, सहायक मोटर वाहन निरीक्षक विजय नरवाड़े की एक टीम अचानक डोंबिवली पूर्व क्षेत्र में पहुंची और रिक्शा चालकों के दस्तावेजों की जांच की. कई रिक्शा चालक वर्दी में नहीं थे. कुछ रिक्शा चालक सवारियां ढोने के लिए रिक्शा स्टैंड से बाहर जा रहे थे. कुछ रिक्शा चालकों ने अपनी वर्दी पर बैज, नाम टैग नहीं लगाया था. कुछ रिक्शा चालकों का लाइसेंस समाप्त हो गया था. कुछ की पीयूसी समाप्त हो चुकी थी. टीम द्वारा मौके पर ही ऐसे सभी रिक्शा चालकों पर मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन पर 5000 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक की दण्डात्मक कार्यवाही की गयी.

डोंबिवली में 125 रिक्शों की जांच की गई. इस कार्रवाई में 40 से अधिक बेलगाम रिक्शा चालकों पर मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन करने पर 5000 से 20000 रुपये तक का जुर्माना लगाया गया. वरिष्ठों के आदेश पर यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

सफाई कर्मचारियों में सफाई किट का वितरण

- हर वर्ष सफाई किट दी जाती है
- टाटा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा दी जाती है किट

उल्हासनगर. टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट की ओर से उल्हासनगर महानगरपालिका के सफाई कर्मचारियों को सफाई किट वितरित की गई और सफाई कर्मचारियों को हैंड गलव्ज, मास्क चश्मा जैसे सफाई में उपयोगी विभिन्न सामान दिए गए. उल्हासनगर महानगरपालिका के कर्मचारियों को हर साल सफाई किट वितरित की जाती है लेकिन इस साल टाटा ट्रस्ट ने पहले से अतिरिक्त सामान दिया है.

अंबरनाथ, बदलापुर में क्रिसमस पर

सांताक्लॉज ने ट्रैफिक पुलिस के साथ किया जनजागरण

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ यातायात पुलिस ने क्रिसमस त्यौहार पर सांताक्लाज को साथ में लेकर कार चालक, रिक्शा चालकों को ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन ना करने की अपील की. अंबरनाथ और बदलापुर में ट्रैफिक के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय पुराणिक, उप निरीक्षक पवार और उनके स्टाफ ने सांताक्लॉज को साथ में लेकर जनजागृति की है.

हेलमेट, सीट बेल्ट, ट्रिपल सीट, जेब्रा क्रासिंग पर वाहनों को रुकाकर जनजागृति की गई है. बाइक पर बिना हेलमेट जा रहे चालकों को नसीहत की गई कि घर में उनके बाल बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे हैं. बिना हेलमेट के बाइक ना चलाएं. उन्हें ये भी बताया गया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को भारी जुर्माना किया जाता है.

चालकों को ये भी बताया गया कि शराब पीकर वाहन ना चलाएं. सांताक्लॉज ने हाथ में बैनर उठा रखा था, जिस पर ठाणे ट्रैफिक पुलिस की ओर से मेरी क्रिसमस लिखा था. इस बैनर पर ट्रैफिक नियमों को भी दर्ज किया गया है.

नराधम ने घर में ही बच्ची से रेप के बाद की हत्या

- पत्नी और रिक्शा चालक की मदद से शव को लगाया ठिकाने
- कल्याण पुलिस ने बुलढाणा से किया गिरफ्तार
- पत्नी और रिक्शा चालक भी हिरासत में

आरोपी विशाल दलवी पत्नी के साथ

कल्याण पूर्व में निकाला गया मूक मोर्चा

पुलिस का रहा तगड़ा बंदोबस्त

कल्याण. कल्याण पूर्व के चक्कीनाका इलाके में रहने वाली एक नाबालिग लड़की सोमवार शाम 4 बजे अपने घर से निकल गई. कोलसेवाड़ी इलाके में रहने वाले विशाल गवली की नजर इस नाबालिग लड़की पर पड़ी. वह उसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले आया. पुलिस जांच में पता चला कि घर में ही उसने बच्ची का रेप किया और उसकी हत्या उसके घर में ही कर दी. विशाल गवली की पत्नी साक्षी ने पुलिस पूछताछ में घर में हुई सारी घटना बताई. विशाल गवली कल्याण पूर्व के कोलसेवाड़ी इलाके में रहता है. शाम करीब 5 बजे विशाल बच्ची को बहला फुसलाकर अपने घर ले गया. उसके साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी. बच्ची की हत्या करने के बाद विशाल ने उसके शव को घर में एक बैग में भर दिया. इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है. मुख्य संदिग्ध आरोपी विशाल गवली के साथ उसकी तीसरी पत्नी साक्षी गवली को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है. सूत्रों ने जानकारी दी है कि उनकी पत्नी ने जो बयान दिया है, उसमें उन्होंने सिलसिलेवार घटनाक्रम बताया है.

आरोपी की पत्नी ने क्या कहा?

आरोपी विशाल गवली की पत्नी साक्षी ने बताया कि विशाल शाम पांच बजे पीड़ित बच्ची को घर में ले गया. उसने बच्ची से दुराचार किया और उसकी हत्या कर दी. इसके बाद उसके शव को एक बड़े बैग में भर दिया गया. आरोपी की पत्नी साक्षी गवली एक बैंक में नौकरी करती थी, इसलिए वह शाम करीब सात बजे घर आई. उस समय आरोपी ने उसे सारी बात बताई. यह सुनकर वह स्तब्ध रह गई.

खून के धब्बे मिटा दिये

सात बजे के बाद पति-पत्नी ने एक साथ बैठकर योजना बनाई कि शव के साथ क्या करना है. सबसे पहले उन्होंने घर से खून के धब्बे मिटाये. रात साढ़े आठ बजे विशाल ने दोस्त के रिक्शा पर फोन किया. नौ बजे वे बापगांव के लिए रवाना हो गये. शव को वहीं छोड़कर दोनों घर लौट आए.

घर लौटते समय विशाल ने आधारवाड़ी चौक से शराब खरीदी. वहां से वह अपनी पत्नी के गांव चला गया, जबकि उसकी पत्नी साक्षी यहीं रुक गई. लेकिन उनके घर के पास मिले खून से पुलिस को शक हुआ कि विशाल ने ही यह काम किया है. सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने जब गवाह को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने घटना के बारे में बताया. इसके बाद पुलिस ने विशाल को उसकी पत्नी के गांव शेगांव से हिरासत में लिया.

शराब खरीदी

विशाल गवली का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. लड़की के शव को फेंकने के बाद उसने कल्याण के आधारवाड़ी इलाके में एक शराब की दुकान से शराब खरीदी. लेकिन कहा जा रहा है कि नाबालिग लड़की के साथ उसने जो किया उसे लेकर उसे कोई पछतावा नहीं है.

शेगांव में सैलून से हिरासत में

पुलिस ने विशाल को शेगांव के एक सैलून से गिरफ्तार किया है. उसने खुद का हुलिया बदलने के लिए दाढ़ी कटवा ली थी.

आरोपी पेशेवर अपराधी

आरोपी पर पहले भी छेड़छाड़ के दो मामले, एक बच्चे के यौन शोषण, लड़ाई के दो मामले और जबरन चोरी का एक मामला दर्ज किया गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि विशाल गवली की तीन बार शादी हो चुकी है. गवली की पत्नी को पुलिस ने दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है.

राजनीतिक वरदहस्त

अब तक बलात्कार, बलात्कार का प्रयास, छेड़छाड़, बच्चों के साथ यौन शोषण जैसे कई अपराध विशाल गवली पर दर्ज किए गए हैं. कल्याण पूर्व इलाके में दहशत का माहौल है और कुछ परिवार इलाका छोड़कर चले गए हैं. चौंकाने वाली बात ये सामने आई है कि विशाल गवली का राजनीतिक रसूख है. अभियोजकों पर दायर मामले वापस लेने के लिए दबाव डालने की भी बात कही जा रही है. इसलिए यह सवाल उठ रहा है कि उसे किस राजनेता का आशीर्वाद है?

बंद पड़े टोइंग वाहनों से सड़कों पर यातायात हो रहा बाधित

कल्याण. ठाणे जिले के विभिन्न हिस्सों में लगभग 30 से 35 टोइंग वैन वार्षिक नवीनीकरण प्रक्रिया के कारण पिछले कुछ दिनों से बंद हैं. शहर में अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों को हटाने के लिए स्थानीय परिवहन विभाग द्वारा टोइंग वैन तैनात की जाती हैं. चूंकि इन वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, इसलिए कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर और भिवंडी शहरों में सड़कों पर अवैध रूप से वाहन पार्क किए जाने की तस्वीरें सामने आई हैं.

परिवहन विभाग की टोइंग वैन बंद होने की सूचना मिलने के बाद वाहन चालक अपने दोपहिया व चार पहिया वाहनों को बाजार में गलत तरह से पार्क कर रहे हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है. इसके कारण शहरों में यातायात जाम की समस्या बढ़ गई है. वैन पर प्रतिबंध के कारण शहरों में अवैध रूप से वाहन पार्क किए जा रहे हैं. रेलवे स्टेशन क्षेत्र व बाजारों में वाहन खड़े रहने से व्यापारियों व रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है.

टोइंग वैन चलाने वाले वाहन मालिक इन वाहनों के शीघ्र परिचालन शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं. एक वाहन पर लगभग चार से पांच कर्मचारी तैनात रहते हैं. नियोक्ता को इन श्रमिकों को वेतन देना होता है, भले ही वाहन उपयोग में न हों. ऐसे प्रशिक्षित श्रमिक अब उपलब्ध नहीं हैं. एक टोइंग वैन मालिक ने कहा, इसलिए हम उन्हें बंद अवधि के दौरान भी भुगतान करते हैं.

नवीकरण प्रक्रिया....

हर साल टोइंग वैन चलाने वाले वाहन मालिकों के दस्तावेजों के नवीनीकरण और सरकार के साथ उनके अनुबंध को बढ़ाने की कागजी प्रक्रिया पूरी की जाती है. ठाणे जिले के विभिन्न शहरों में 35 से अधिक टोइंग वैन संचालित हैं. इन वाहनों को नवीनीकृत करने, अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए आवश्यक दस्तावेज जमा करने, उन दस्तावेजों की जांच करने, वाहनों की फिटनेस और प्रमाणीकरण की जांच करने में समय व्यतीत होता है. परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता के कारण पर्याप्त मानव संसाधन की कमी तथा परिवहन विभाग के कर्मचारियों के विधानसभा सत्र के लिए नागपुर चले जाने के कारण परिवहन विभाग इन कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास कर रहा है.

मुख्याधिकारी का जिलाधिकारी ने किया सम्मान

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर ने विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रक्रिया को सफल तरीके से पूरा किया. इसलिए जिलाधिकारी ठाणे एवं जिला चुनाव अधिकारी ने उनका सम्मान किया है. हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव को नियोजनबद्ध और ठीक तरीके से पूरा किया गया. इसलिए मुख्याधिकारी पराडकर का जिलाधिकारी नियोजन भवन कार्यालय ठाणे में जिलाधिकारी अशोक शिनगारे के हाथों जिले के अधिकारी व कर्मचारियों का गुणगौरव समारोह का आयोजन हुआ. इस समारोह में मुख्याधिकारी का सम्मान किया गया है. मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर को जिलाधिकारी के हाथों प्रशस्ति पत्र और सम्मान चिह्न देकर गौरव किया गया है. उस समय अपर जिलाधिकारी श्रीमती जायभाये, निवासी उप जिलाधिकारी संदीप माने, उप जिलाधिकारी (चुनाव) वैशाली माने आदि उपस्थित थे.

पूज्य श्री छापरु पंचायत ट्रस्ट द्वारा उत्तीर्ण छात्रों को किया गया सम्मानित

उल्हासनगर. पूज्य श्री छापरु पंचायत ट्रस्ट उल्हासनगर द्वारा शनिवार 21 दिसंबर को पूज्य लासी पंचायत हॉल उल्हासनगर-1 में छात्रों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां पढ़ाई में उत्तीर्ण हुए छात्रों को पुरस्कार दिया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उद्योगपति गोधूमल किशनानी थे. उनके हाथों द्वारा शहर के गणमान्य लोगों को भी सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया था. पूज्य श्री छापरु पंचायत ट्रस्ट के अध्यक्ष पवन फतनानी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उपाध्यक्ष विष्णु केसवानी, हरेश अबवानी, प्रदीप शिवनानी, प्रदीप शामबवानी, प्रदीप फतनानी, घनश्याम फतनानी, किशोर छापरु, विजय हिरानी, अनिल छापरु, पंडित महेश शर्मा व करण शर्मा ने परिश्रम किया. पूज्य श्री छापरु पंचायत ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष इसी तरह से सामाजिक व सेवाभाव के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं.

पूर्व उपनगराध्यक्ष का व्यापारियों ने किया सत्कार

व्यापारियों के लिए शौचालय का नूतनीकरण जल्द : अब्दुल शेख

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के पूर्व उप नगराध्यक्षा अब्दुल शेख द्वारा व्यापारियों के हित में किए जा रहे कार्य को देखते हुए अपना मार्केट व्यापारी संघ बांगली गली एवं अंबरनाथ व्यापारी संघ द्वारा उनका बुधवार को भव्य सत्कार बांगड़ी गली में किया गया.

व्यापारियों की शौचालय की सुविधा के लिए यहां के पुराने शौचालय को तोड़कर नए शौचालय के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया. अब्दुल भाई ने इस मौके पर कहा कि शौचालय का नूतनीकरण जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा. उन्होंने व्यापारियों से कहा कि उनकी जो भी समस्या है, उसके लिए व्यापारी उनसे संपर्क करें. व्यापारी अध्यक्ष खानजी धल ने अब्दुल शेख को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके द्वारा शहर में किए जा रहे विकास कामों की सराहना की. अपना मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष बेलाराम कुंभार ने व्यापारियों की ओर से उनका आभार व्यक्त किया. उपस्थित कई व्यापारियों एवं प्रतिष्ठित नागरिकों ने शॉल और पुष्पगुच्छ देकर उनका आभार व्यक्त किया. उस समय यूसुफ शेख, उद्धवदास, दीपक खटवानी, हारुन मेमन, पूनम सिंह, जम्नू प्रसाद गुप्ता आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

चुनाव के बाद अपराधी हुए बेखौफ

हरियाणा के पंचकूला में तीन लोगों की गोली मार कर हत्या की घटना से एक बार फिर यही जाहिर हुआ है कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं. शायद उन्हें कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है. सोमवार को तड़के जिस जगह पर दो युवकों और एक युवती पर गोलियां बरसाई गईं, वह एक अच्छे-खासे होटल की पार्किंग का क्षेत्र था और इस नाते उसे अपेक्षया ज्यादा सुरक्षित माना जाना चाहिए.

मगर हैरानी की बात है कि होटल परिसर की उस जगह पर पहुंच कर अपराधियों ने लक्षित तरीके से अंधाधुंध गोलीबारी की और तीन लोगों की जान लेने के बाद बिना किसी बाधा के फरार भी हो गए. हालांकि मृतकों में से एक के खिलाफ कुछ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, लेकिन अगर यह आपसी रंजिश का भी मामला है तो अपराधियों के इस तरह बेखौफ आचरण का सिरा कहां है. सवाल है कि सुरक्षा व्यवस्था के चौकस होने के दावे के बरक्स ऐसी घटनाएं क्या बताती हैं.

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध

ऐसा नहीं कि पंचकूला में हुआ हत्याकांड कोई अकेली वारदात है. कुछ समय पहले गुरुग्राम के एक क्लब में फेंके गए देसी बम, कुरुक्षेत्र में एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या और रोहतक में गोली कांड के अलावा बदमाशों के साथ पुलिस की दर्जन भर से ज्यादा मुठभेड़ की घटनाएं यही बताती हैं कि राज्य की कानून व्यवस्था सबसे खराब हालत में है. वसूली के लिए धमकी और हत्याएं, अपराधी गिरोहों का बोलबाला और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध राज्य में विकास के दावे को आईना दिखाते हैं.

सच यह है कि राज्य में पिछले कुछ समय से लगातार जघन्य अपराध बढ़े हैं और आपराधिक मानसिकता वाले लोग एक तरह से बेखौफ मनमानी करते नजर आ रहे हैं. इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कुछ समय पहले वहां हुए विधानसभा चुनाव में बढ़ते अपराध एक अहम मुद्दा बन गए थे. सवाल है कि क्या इसी तस्वीर के बूते राज्य में विकास और निवेश की संभावनाओं के मजबूत होने का दावा किया जा रहा है. अगर समय रहते इस आपराधिक वृत्ति पर लगाम नहीं लगाई गई, तो इसका बहुस्तरीय असर पड़ेगा और इसके नतीजे घातक साबित होंगे.

बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ अभियान, आधा-अधूरा समाधान

इन दिनों दिल्ली में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निकाल बाहर करने का अभियान चल रहा है. इस अभियान के तहत अभी तक दस बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी वापस नहीं भेजा जा सका है. कहना कठिन है कि दिल्ली पुलिस का अभियान कब तक जारी रहेगा और कितने बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकाला जा सकेगा, लेकिन यह ध्यान रहे कि पहले भी दिल्ली में इस तरह का अभियान चल चुका है. वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका था.

दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में भी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान का अभियान चल निकला है. वहां भी अतीत में इस तरह का अभियान चला था और उसका नतीजा भी ढाक के तीन पात वाला रहा था. यही कहानी असम की भी है, जहां इन दिनों बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने की कवायद की जा रही है. हो सकता है कि आने वाले दिनों में कुछ और राज्य ऐसा करें, लेकिन यह तय है कि कुछ राज्य ऐसा नहीं भी करने वाले, जैसे कि बंगाल. इसी तरह झारखंड में भी यह काम नहीं होने वाला. विधानसभा चुनावों के समय झारखंड सरकार ने भाजपा के इन आरोपों को खंडन किया था कि बंगाल के रास्ते भारत में घुस आए बांग्लादेशी राज्य में बस गए हैं. उसने यह सवाल भी पूछा था कि अगर ऐसा हो रहा है तो केंद्र सरकार ऐसा होने कैसे दे रही है? केंद्र सरकार इस सवाल का कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी थी.

इससे इनकार नहीं कि बांग्लादेश से घुसपैठ हो रही है, लेकिन आखिर केंद्र सरकार इस घुसपैठ को रोक क्यों नहीं पा रही है? कारण जो भी हो, किसी एक या

दो-तीन राज्यों में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पकड़-धकड़ करने से विशेष लाभ नहीं मिलने वाला, क्योंकि घुसपैठिये पड़ोसी राज्यों में आसानी से जा सकते हैं. क्या यह सहज स्वाभाविक नहीं कि दिल्ली पुलिस के अभियान को देखते हुए बांग्लादेशी घुसपैठिये उत्तर प्रदेश और हरियाणा खिसक जाएं? ऐसा होने का अंदेशा इसलिए भी है, क्योंकि बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के किसी अभियान की तुलना में उनकी घुसपैठ कराने वाला तंत्र कहीं अधिक कारगर है.

यह तंत्र बांग्लादेशी नागरिकों को केवल भारत में घुसने में ही मदद नहीं करता, बल्कि उनके लिए सुरक्षित ठिकाने भी उपलब्ध कराता है. इतना ही नहीं, यह तंत्र उन्हें असली-नकली आधार कार्ड और अन्य पहचान पत्रों से लैस भी करता है. बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत की सीमा में जैसे ही प्रवेश करते हैं, उन्हें आधार कार्ड उपलब्ध करा दिया जाता है. यह तंत्र केवल बांग्लादेश से लगती सीमा पर ही सक्रिय नहीं है. गत दिवस दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा, जो राजधानी में बांग्लादेशी घुसपैठियों के आधार कार्ड के साथ मतदाता पहचान पत्र तैयार कर रहा था.

एक समय अवैध रूप से भारत आने वाले बांग्लादेशी बंगाल, असम, त्रिपुरा आदि सीमावर्ती राज्यों में ही अपना ठिकाना बनाना पसंद करते थे, लेकिन अब वे दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद से लेकर देश के हर हिस्से में मिल जाते हैं. किसी के लिए कहना कठिन है कि उनकी संख्या कितनी है? अलग-अलग आंकड़ों में उनकी संख्या भिन्न-भिन्न बताई जाती रही है. सही आंकड़ा इसलिए नहीं, क्योंकि केंद्र या राज्य सरकारों के पास ऐसा तंत्र ही नहीं, जो यह रेखांकित कर सके कि कितने बांग्लादेशी अवैध रूप से आए और वे कब से कहां रह रहे हैं.

कुछ लोग दावा करते हैं कि बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या करोड़ों में है और कुछ के अनुसार लाखों में. बांग्लादेशी घुसपैठियों की तरह कोई यह भी नहीं बता सकता कि देश में अवैध रूप से आए रोहिंग्या कितने हैं. जो बताया जा सकता है, वह यह कि वे पूर्वी हिस्से से देश में घुसे और जम्मू एवं हैदराबाद तक जाकर बस गए. यह सहज ही समझा जा सकता है कि किसी ने उनकी मदद की होगी. प्रबल आशंका यही है कि बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ कराने और उन्हें असली-नकली पहचान पत्रों से लैस करके भारतीय नागरिकों का चोला पहनाने वाले अब भी सक्रिय होंगे. बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान कर केवल इसलिए नहीं निकाला जाना चाहिए कि शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश भारतीय हितों के खिलाफ काम कर रहा है. यह काम इसलिए भी होना चाहिए कि वे संसाधनों पर बोझ बनने के साथ ही देश की सुरक्षा के लिए खतरा भी बन रहे हैं. बांग्लादेशी हों या रोहिंग्या, वे अपनी स्पष्ट पहचान के साथ शरणार्थी के रूप में तो भारत में रह सकते हैं, लेकिन घुसपैठियों के रूप में नहीं.

हमें अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में यह चुनाव करना है कि हम अपनी समस्याओं की ओर ध्यान देंगे या प्रभु की ओर।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

लिखित परीक्षा होगी छात्रों के मूल्यांकन का आधार

विद्यार्थियों के सीखने का मूल्यांकन कैसे हो, इस पर दुनिया भर में विचार-विमर्श और प्रयोग होते रहे हैं. हर जगह यह स्वीकार कर लिया गया है कि लिखित परीक्षा ही मूल्यांकन का सबसे व्यावहारिक और कारगर तरीका है. मगर भारत जैसे देश में, जहां बहुत सारे बच्चे समाज के निचले तबके से पढ़ने आते हैं, उनके घर में पढ़ाई-लिखाई का उचित वातावरण नहीं है. उनमें से बहुत सारे बच्चों को स्कूली पढ़ाई के साथ-साथ घर के काम या माता-पिता के काम में हाथ भी बंटाना पड़ता है, लिखित परीक्षा में ऐसे बहुत सारे विद्यार्थी अनुत्तीर्ण हो जाते हैं.

अनेक बच्चे इसीलिए स्कूल नहीं जाते या बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं कि उन्हें परीक्षा का भय सताता है. इसलिए तय किया गया कि पांचवीं तक किसी भी बच्चे को अनुत्तीर्ण नहीं किया जाएगा. उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत कर दिया जाएगा. आठवीं तक उनका मूल्यांकन केवल पाठ्यपुस्तकों में दिए पाठों के आधार पर नहीं, बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व विकास, जैसे स्कूल में उनके आचरण, खेल-कूद, संगीत, कला आदि में उनकी रुचियों के आधार पर भी किया जाएगा. इस तरह बच्चे अगली कक्षा में आसानी से प्रोन्नत तो होने लगे, मगर सीखने की उनकी क्षमता में गिरावट दर्ज होनी शुरू हो गई.

फेल होने पर दुबारा देनी होगी परीक्षा

इसी के मद्देनजर अब केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि पांचवीं और आठवीं कक्षा में किसी भी विद्यार्थी को फेल न करने की नीति को वापस लिया जाए.

अब इन कक्षाओं में अगर विद्यार्थी लिखित परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करते, तो उन्हें दुबारा परीक्षा देनी होगी. उसके बाद भी वे उत्तीर्ण नहीं होते, तो उसी कक्षा में बैठना पड़ेगा. इस फैसले से निस्संदेह विद्यार्थियों, अभिभावकों और अध्यापकों पर पढ़ाई-लिखाई को लेकर सतर्क रहने का दबाव बनेगा.

देश में पढ़ाई-लिखाई के स्तर को मापने के लिए हर वर्ष निजी और सरकारी स्तर पर सर्वेक्षण किए जाते हैं. पिछले कुछ वर्षों में इन सर्वेक्षणों में बहुत निराशाजनक परिणाम नजर आए. आठवीं कक्षा के विद्यार्थी पांचवीं-छठवीं कक्षा की पुस्तकें पढ़ने, उस स्तर का गणित हल कर पाने में भी अक्षम पाए गए. इस तरह शिक्षा का मकसद ही हाशिये पर चला जाता है. इसी का नतीजा है कि आगे दसवीं और बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर नकल की प्रवृत्ति बढ़ी है. इसे रोकने का यही तरीका हो सकता था कि शुरू से ही बच्चों में पढ़ाई-लिखाई के प्रति गंभीरता पैदा की जाए, उनके मूल्यांकन में कड़ाई लाई जाए.

हालांकि सरकार ने नए नीतिगत फैसले में यह भी कहा है कि मूल्यांकन के आधार पर किसी भी विद्यार्थी को प्राथमिक शिक्षा से बाहर नहीं किया जाएगा. उन्हें अपना प्रदर्शन बेहतर करने का मौका उपलब्ध कराया जाएगा. मगर इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि नई व्यवस्था से प्राथमिक स्तर पर ही बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज हो सकती है. शिक्षा का अधिकार कानून के तहत चौदह वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देना सरकार की सांविधानिक बाध्यता है. अगर बच्चे बीच में पढ़ाई छोड़ेंगे, तो यह उद्देश्य पूरा हो पाना मुश्किल बना रहेगा. इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि न केवल परीक्षा में बदलाव करके जिम्मेदारी पूरी समझ ली जाए, बल्कि स्कूलों और अध्यापकों को भी बच्चों में सीखने का कौशल विकसित करने के लिए जवाबदेह बनाया जाए.

पति था ड्राइवर, तो बीवी ने ट्रक को बना लिया घर

जरा हट के

पति-पत्नी का रिश्ता ऐसा होता है कि एक के बिना दूसरे का मन नहीं लगता और अगर बहुत ज्यादा एक दूसरे के साथ रहने लगे, तो चैन से रहा भी नहीं जाता, खट-पट होती रहती है. पर कई बार पति या पत्नी को काम के सिलसिले में एक दूसरे से दूर जाना ही पड़ता है. हालांकि, ऐसा बहुत कम होता है कि दूसरा साथी अपना काम छोड़-छाड़कर पार्टनर के साथ ही उसके साथ ट्रिप पर निकल जाए. अमेरिका की एक महिला ने ऐसा ही किया. उसका पति एक ट्रक ड्राइवर था, अक्सर बाहर रहता था. तो महिला ने अपनी नौकरी छोड़ दी और पति के साथ ही ट्रक में रहने लगी. अब वो उसके साथ मिलकर देश घूम रही है.

द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 29 साल की मिला हॉर्टन अमेरिका के एटलांटा की रहने वाली हैं. उनके 31 साल के पति जर्मनी एक कंपनी में ट्रक ड्राइवर हैं. वो बड़े-बड़े फ्रिज को

अमेरिका के एक राज्य से दूसरे राज्य लेकर जाते हैं. उनका अधिकतर वक्त ट्रक में गुजरता है और यात्राएं कई दिनों की होती हैं. दोनों की मुलाकात 2017 में हुई थी. उस वक्त मिला एयरपोर्ट पर इलेक्ट्रिक कार्ट ड्राइवर थीं. दोनों ने 2018 में डेटिंग शुरू की और 2019 में शादी कर ली. 2021 में जर्मेन ने मिला को एक आइडिया दिया. उन्होंने कहा कि वो उनके साथ ही ट्रक में रहें और देश घूमें.

मिला को बचपन से घूमने का शौक था. बस फिर उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी और घर का सामान स्टोरेज में डालकर पति के साथ देश घूमने उनकी ट्रक से निकल गईं. पति ने एक नई ट्रक खरीदी. वो जिस कंपनी के लिए काम करते हैं, उसमें काफी फ्लेक्सिबल वर्क है. वो अपनी मर्जी से रूट चुन सकते हैं और कंपनी साथ में एक पार्टनर रखने की भी इजाजत देती है. ट्रक में ही उन्होंने किचन बना लिया, बेडरूम बना लिया और उसी में जिंदगी गुजारने लगे. ट्रक स्टॉप्स या पेट्रोल पंप पर रुककर वो नहाते और बाकी जरूरी काम करते हैं. फिर दोबारा अपनी ट्रक में आ जाते हैं.

सिर्फ पानी में साफ करने से नहीं निकलेगा पत्तागोभी में चिपका कीड़ा

- **ये है 100% इसे काटने धोने, पकाने का सही तरीका**

सर्दियों के मौसम में सब्जी मार्केट में हरी पत्तेदार सब्जियों की भरमार लग जाती है. इसमें ढेरों किस्म की पत्तेदार सब्जियों के साथ ही फूलगोभी, पत्तागोभी भी खूब मिलती है. हालांकि, ये सब्जियां ऐसी हैं, जिनमें कीड़े भी खूब होते हैं. ऐसे में इन्हें सही से साफ करके न पकाया जाए तो आप इनका भी सेवन अनजाने में कर लेंगे. जहां बात है इन सब्जियों में कीड़े होने की तो फूलगोभी को काटते समय तो आपको इनपर चिपके मोटे हरे रंग के कीड़े नजर आ जाते हैं, लेकिन पत्तागोभी के कीड़े नजर नहीं आते. दरअसल, पत्तागोभी कई लेयर में होती है. ऐसे में जब आप इसे काटते हैं तो एक साथ ही सभी लेयर को काटते हैं, जिससे इनमें छिपे कीड़े नजर नहीं आते.

पत्ता गोभी में मौजूद कीड़ा

आपने कई खबरों, रिपोर्ट्स में ये पढ़ा-सुना या फिर टीवी में देखा होगा कि पत्तागोभी में ऐसा कीड़ा होता है, जो दिमाग में घुस सकता है. खबरों के अनुसार, पत्तागोभी में कैटरपिलर पियरिस रैपे, टेप वर्म आदि खतरनाक कीड़े होते हैं. साथ ही कैबेज मॉथ, कैबेज लूपर भी पत्तियों को खा जाते हैं. ये इतने छोटे और पतले होते हैं कि आसानी से नजर नहीं आते. कुछ एक्सपर्ट तो ये भी कहते हैं कि इन्हें अच्छी तरह से न पकाया जाए तो ये कीड़े मरते भी नहीं है. इनकी रेजिस्टेंस पावर इतनी अधिक होती है कि ये पेट में मौजूद एसिड, एंजाइम्स से भी नहीं मरते. ऐसे में पत्तागोभी को अच्छी तरह से साफ करना, पकाना बहुत ही जरूरी होता है. इसका कीड़ा आंतों में जाने के बाद ब्लड फ्लो के जरिए दिमाग में पहुंच सकता है. आपको मिर्गी हो सकती है. दौरे पड़ सकते हैं.

पत्ता गोभी साफ करने का तरीका

- कुछ लोग पत्तागोभी को बीच से आधा भाग करके एक साथ ही चाकू से काटते जाते हैं. ऐसा न करें. सबसे पहले पत्तागोभी के ऊपर से दो-तीन लेयर पत्तों को निकाल कर फेंक दें. इन पर कीड़े, कीटनाशक, धूल-मिट्टी अधिक होते हैं. अब आप काटने की बजाय हाथों से ही एक-एक पत्ते को अलग करते जाएं. कभी भी इस सब्जी को कच्चा न खाएं. सलाद में यूज न करें. पत्ते अलग हो जाएं तो इसे पानी में दो-तीन बार अच्छी तरह से धो लें.
- अब एक भगोने में पानी डालकर गैस पर रखें. इसमें आधा चम्मच नमक और आधा चम्मच हल्दी पाउडर डाल दें. पानी गर्म होने पर पत्तों को डाल दें. गैस बंद कर दें और 15-20 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें. इस तरह से सारी गंदगी, कीड़े निकल जाएंगे.
- आप एक कटोरे में पानी डालें. उसमें 3-4 बड़े चम्मच सफेद सिरका डालें. इसमें पत्तागोभी डालकर 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें. विनेगर से पत्तागोभी पर चिपका कीड़ा पानी में बाहर आ जाएगा. इससे कीटनाशक का भी असर कम होगा. सिरका एक नेचुरल कीटाणुनाशक होता है. इससे चिपके हुए कीड़े, गंदगी ढीले होकर बाहर निकल जाते हैं.
- बाजार में नीम का तेल मिल जाएगा. इसे पानी में या फिर बिना पानी के ही कटे हुए पत्तागोभी पर स्प्रे कर दें. आप साबुन के पानी में भी पत्तागोभी को अच्छी तरह से धो सकते हैं.
- मार्केट में आजकल वेजिटेबल सैनिटाइजर भी मिलने लगा है. इसका इस्तेमाल कर सकते हैं सब्जियों को साफ करने के लिए. इससे हानिकारक कीड़े, बैक्टीरिया, कीटनाशक, गंदगी आदि हटाए जा सकते हैं.

हरा भरा कबाब

खाना-खजाना

ज्यादातर लोग घर पर जब पार्टी करते हैं तो बाजार से स्नैक्स ऑर्डर करते हैं. लेकिन 25 दिसंबर की शाम घर पर क्रिसमस पार्टी होस्ट कर रही हैं तो बाजार की जगह घर पर कुछ टेस्टी स्नैक्स को तैयार करें. अगर आप पार्टी में फटाफट बनने वाले स्नैक्स की रेसिपी खोज रहे हैं तो हरा भरा कबाब बना सकते हैं. इसे चटनी के साथ सर्व किया जा सकता है. यहां पर हम इसे बनाने की सबसे आसान रेसिपी बता रहे हैं देखिए.

सामग्री :

- उबले आलू
- पालक
- मटर
- हरा धनिया
- भुना हुआ बेसन
- ब्रड क्रमप्स
- लहसुन
- अदरक
- हरी मिर्च
- काजू दो टुकड़े वाले
- जीरा
- नमक
- लाल मिर्च पाउडर
- गरम मसाला पाउडर
- अमचूर पाउडर
- घी

कैसे बनाएं :

हरा भरा कबाब बनाने के लिए पालक और मटर को उबाल लें और फिर इसका पानी छान लें. अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें और फिर इसमें जीरा डालें. अब इसमें पालक और मटर को अच्छे से सेक लें. फिर इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डाले. अब इस मिक्स को ठंडा होने दें और फिर मिक्सर में इन सभी चीजों को अच्छी तरह से पीस लें. इसमें थोड़ा हरा धनिया मिला सकते हैं. फिर उबले आलू को मैश करें और फिर इसमें पालक का पेस्ट डालें. अब सभी मसाले इसमें मिक्स करें. फिर भूनी हुई सूजी भी इसमें डाल दें. अच्छे से मिक्स करें. अगर ये मिश्रण गीला हो तो आप इसमें ब्रेड क्रम्प्स भी मिला सकते हैं. जब मिक्स सही से तैयार हो जाए तो छोटी-छोटी टिक्की बनाएं और फिर एक काजू का टुकड़ा ऊपर लगा लें. सभी कबाब तैयार करें और फिर इसे तवे पर अच्छे से सेक लें. चाहें तो डीप फ्राई भी कर सकते हैं. सभी कबाबा सेक लें और फिर हरी चटनी और सिरके वाली प्याज के साथ सर्व करें.

डिनर के तुरंत बाद सोने से बढ़ता है वजन

रात में भोजन के तुरंत बाद सोने से ब्लड शुगर का स्तर असामान्य रूप से बढ़ सकता है. यह न केवल मोटापे का कारण बनता है, बल्कि डायबिटीज और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का जोखिम भी बढ़ा सकता है. जब हम सोते हैं, तो हमारा शरीर आराम और रिकवरी पर ध्यान केंद्रित करता है, लेकिन पाचन प्रक्रिया धीमी हो जाती है. इससे पाचन में बाधा उत्पन्न होती है, जो वजन बढ़ाने का प्रमुख कारण बन सकती है.

भोजन के बाद तुरंत सोने के नुकसान

1. अपच और एसिड रिफ्लक्स

भोजन करने के बाद यदि आप तुरंत सो जाते हैं, तो पेट का एसिड ऊपर की ओर ग्रासनली में चला जाता है. इससे अपच और एसिड रिफ्लक्स की समस्या होती है, जो गले में जलन और तकलीफ का कारण बनती है.

2. नींद की गुणवत्ता पर प्रभाव

भारी भोजन के बाद सोने से पाचन तंत्र को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है, जिससे शरीर का तापमान बढ़ जाता है. यह नींद की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है और आपको रातभर बेचैनी महसूस हो सकती है.

3. मेटाबोलिज्म पर असर

रात में भोजन के तुरंत बाद सोने से मेटाबोलिज्म धीमा हो जाता है. समय के साथ, यह वजन बढ़ने और मेटाबोलिक सिंड्रोम जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है.

अपनाएं ये अच्छी आदतें

- **रात के भोजन के बाद 30 मिनट टहलें:** यह पाचन में सुधार करता है और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करता है.
- **हल्का और संतुलित भोजन करें:** भारी और तैलीय भोजन से बचें.
- **खाने और सोने के बीच अंतराल रखें:** कम से कम 2-3 घंटे का अंतराल बनाए रखें.

नींद की स्थिति सुधारें: सोने से पहले आरामदायक स्थिति में बैठकर पानी पी सकते हैं.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

डॉ. श्रीवास्तव बताते हैं कि मोटापे से बचने के लिए लाइफस्टाइल में सुधार जरूरी है. केवल खाने पर नियंत्रण रखना काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाना भी जरूरी है.

डायबिटीज को नियंत्रित करने के लिए आसान डाइट प्लान

1. सुबह की शुरुआत: दिन की शुरुआत जामुन का सिरका (10ml) या सेब का सिरका (10ml) को 200ml गुनगुने पानी में मिलाकर करें. वैकल्पिक रूप से, मेथी पाउडर और आंवला पाउडर गुनगुने पानी में मिलाकर पिया जा सकता है. इसके बाद 30-45 मिनट योग या हल्की एक्सरसाइज जरूर करें.

2. ब्रेकफास्ट (सुबह का नाश्ता): नाश्ते में हाई-फाइबर फूड जैसे रागी, ज्वार, या बाजरा की रोटी खाएं. इसके साथ सीजनल सब्जियां, दही, चना, या बेसन का चीला खा सकते हैं.

3. मिड-मॉर्निंग स्नैक: सीजनल फल जैसे पपीता, सेब, या कीवी का सेवन करें. ध्यान रखें, फलों का जूस न लें, केवल फल खाएं.

4. लंच (दोपहर का भोजन): खाने से पहले एक गिलास पानी जरूर पिएं. सलाद में खीरा, गाजर, और मूली शामिल करें. दो रोटियां, एक कटोरी दाल, और 100 ग्राम चावल (यदि चाहें) खाएं. साथ में सीजनल सब्जियों का सेवन करें.

5. शाम का नाश्ता: ग्रीन टी पिएं. मिठास की जरूरत महसूस हो तो दालचीनी पाउडर डालें. इसके साथ भुना हुआ मखाना या चना खा सकते हैं.

6. डिनर (रात का भोजन): रात का खाना हल्का रखें. मिस्सी रोटी, दलिया, या मूंग दाल की खिचड़ी खाएं. खाने के बाद 20-30 मिनट तक टहलें.

7. सोने से पहले: त्रिफला चूर्ण का सेवन करें. नॉनवेज खाने वालों के लिए सलाहः हफ्ते में 2-3 बार 200 ग्राम चिकन या मछली खाएं. तेल और मसाले का कम से कम उपयोग करें. उबले अंडे (सिर्फ सफेद भाग) भी आहार में शामिल कर सकते हैं.

डायबिटीज नियंत्रण के अन्य महत्वपूर्ण टिप्सः

महीने में एक बार ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं.

तनाव से दूर रहें और नियमित रूप से योग व मेडिटेशन करें.

पर्याप्त नींद लें और हाइड्रेटेड रहें.

आज का राशिफल

मेष : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा. आय बनी रहेगी. जीवनसाथी के स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें. दूर से बुरी खबर मिल सकती है. घरेलू भागदौड़ अधिक रहेगी. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें.

वृषभ : सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा. मान-सम्मान मिलेगा. मेहनत का फल मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. निवेश शुभ रहेगा. नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे. शत्रु तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधानी आवश्यक है.

मिथुन : पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी. उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी. फालतू खर्च होगा. स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग मिलेगा. कारोबार से लाभ होगा. नौकरी में कार्यभार रहेगा.

कर्क : आज आपके बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. प्रेम जीवन में भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी.

सिंह : आज दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है. फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा. हल्की मजाक करने से बचें. अपेक्षित काम में विलंब होगा. बेकार की बातों पर ध्यान न दें. अपने काम से काम रखें. लाभ के अवसर मिलेंगे. विवेक का प्रयोग करें. आय में वृद्धि होगी.

कन्या : यात्रा लाभदायक रहेगी. संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है. डूबी हुई रकम प्राप्त होगी. रोमांस में सफलता मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा. नौकरी में प्रशंसा मिलेगी. जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं. नए उपक्रम प्रारंभ करने संबंधी योजना बनेगी.

तुला : आपकी कोई खास योजना आज फलीभूत होगी. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा. कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. म्युचुअल फंड से लाभ होगा. आय में वृद्धि होगी. मान-सम्मान मिलेगा.

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. पूजा-पाठ में मन लगेगा. सत्संग का लाभ मिलेगा. राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार तथा मित्रों का सहयोग मिलेगा. प्रसन्नता बनी रहेगी. बेचैनी रहेगी.

धनु : परिवार में चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है. पत्नी को पुराना रोग उभर सकता है. घर-बाहर हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. ऑफिस में किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. दौड़धूप बनी रहेगी.

मकर : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. कहीं से अचानक राजकीय सहयोग मिलेगा. सरकारी कामों में सहूलियत मिलने से कार्य संपन्न होंगे. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. घर में सुख-शांति रहेंगे. कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं. लाभ के अवसर हाथ आएंगे.

कुंभ : ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं. भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. शारीरिक कष्ट संभव है. भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. विवेक से कार्य करें.

मीन : आज पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा. आनंद के साथ समय व्यतीत होगा. मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा. नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी. किसी व्यक्ति से बहस हो सकती है.

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बदायूं के चार बच्चों की हरियाणा में दर्दनाक मौत, शव पहुंचे तो गांव में मचा कोहराम

बदायूं. बदायूं के चार बच्चे हरियाणा में एक बड़े हादसे का शिकार हो गए. इस हादसे में चारों की जान चली गई है. चारों के ऊपर भट्ठे की दीवार गिर गई जिसके नीचे दबकर उनकी दर्दनाक मौत हो गई. हरियाणा के सोनीपत जिले के नरलौबोल गांव में रविवार की रात यह घटना हुई थी. मरने वाले चार बच्चों में से तीन एक ही परिवार के है. परिवार में कोहराम मचा हुआ है. मिली जानकारी के अनुसार बेरमई बुजुर्ग गांव से 15 दिन पहले ही बच्चों के घरवाले काम के लिए हरियाणा गए थे. वहां ये लोग एक ईंट भट्ठे पर काम करते थे. रविवार की रात भट्ठे की एक दीवार गिर गई और चार बच्चे उसके नीचे दबकर मर गए.

पति ने दीवार से सिर लड़ाकर की पत्नी की हत्या, आधी रात शव को नहलाया, फिर...

शाहजहांपुर. शाहजहांपुर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. जहां पुवायां थाना क्षेत्र के मुड़िया वैश्य गांव में सोमवार की रात एक दंपति में झगड़ा हो गया. इस दौरान पति ने पत्नी का सिर दीवार से लड़ाकर उसे मौत के घाट उतार दिया. फिर खून को साफ किया और उसे आधी रात में ही नहलाया. इसके बाद वह सो गया. अगली सुबह मंगलवार को घटना की जानकारी होने पर हड़कंप मच गया. सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. ये घटना पुरवां थाना क्षेत्र के मुड़िया वैश्य गांव का है. जानकारी के मुताबिक सोहन सिंह ने उन्नाव के पूर्वा थाने के मंगदपुरा गांव की रागिनी सेशादी कर ली और कमरा लेकर दोनों रहने लगे. सोमवार रात दोनों में कहासुनी हो गई.

रात में सामान लेने घर से निकली 8 साल की बच्ची, सुबह स्कूल में बोरे में बंद मिली लाश

वाराणसी. वाराणसी में सुबह एक बच्ची की लाश मिलने से सनसनी फैल गई. लाश स्कूल के अंदर मिली और बच्ची एक शाम पहले से लापता थी. मामला रामनगर थाना क्षेत्र के सूजाबाद का है. इलाके की निवासी 8 साल की बालिका का शव बुधवार सुबह बहादुरपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में बोरी में बंधा मिला. जानकारी देते हुए दिव्यांग पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी मंगलवार शाम करीब 7:00 बजे घर से निकट ही एक मजार के पास दुकान से सामान लाने के लिए निकली थी. वह मच्छर भगाने का कॉइल लेने के लिए निकली थी. बच्ची देर तक घर नहीं लौटी तो उसकी खोजबीन शुरू हुई. इसकी सूचना पुलिस को दी गई. पुलिस ने लापता की बात कहते हुए खोज शुरू कर दी. मंगलवार शाम से ही बालिका की तलाश की ही जा रही थी. वहीं, बुधवार सुबह बहादुरपुर गांव के प्राथमिक विद्यालय परिसर में बोरी में उसकी लाश मिली. इसकी सूचना पुलिस को दी गई.

बीमार बताकर अस्पताल में कराया भर्ती, नाबालिग बेटी ने बच्चे को जन्म दिया तो फरार हो गया परिवार

मुरादाबाद. मुरादाबाद जिल के पाकबड़ा के निजी अस्पताल में मंगलवार को एक किशोरी ने बच्चे को जन्म दिया. लोक लाज के भय से परिजन उसे छोड़कर भाग गए तो अस्पताल ने उसे सहारा दिया. परिवार के फरार होने पर अस्पताल प्रबंधन परेशान हो गया. सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची मामले की जांच पड़ताल शुरू की है.

दरअसल, मंगलवार दोपहर संभल के असमोली थाना क्षेत्र के गांव की एक किशोरी को उसके परिजन गंभीर हालत में पाकबड़ा स्थित टीएमयू अस्पताल में भर्ती कराए. भर्ती कराते समय परिजनों ने किशोरी को बीमार बताया लेकिन जब डॉक्टरों ने जांच की तो पता चला कि किशोरी गर्भवती है और उसे लेबर पेन हो रहा है. आनन-फानन में डॉक्टर किशोरी को लेबर रूम में ले गए, जहां उसने एक बेटे को जन्म दिया. किशोरी के प्रसव के बाद उसके परिजन अस्पताल से भाग निकले, किशोरी को गलत नाम से भर्ती कराया था इसलिए अस्पताल प्रबंधन भी परेशान हो गया. काफी इंतजार के बाद अस्पताल प्रशासन ने इसकी सूचना सीओ संभल और पाकबड़ा एसएचओ को दी. सूचना पर सीओ असमोली आलोक सिद्धू और पाकबड़ा थाने के एसएचओ विनोद कुमार अस्पताल पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू कर दिए.

अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती

- PM-राष्ट्रपति ने श्रद्धांजलि दी
- मोदी बोले- उन्होंने कभी खरीद-फरोख्त की राजनीति नहीं की

नई दिल्ली. पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आज 100वीं जयंती है. दिल्ली में स्थित उनके समाधि सदैव अटल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम शुरू हुआ. इसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, PM मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी.

अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था. 16 अगस्त 2018 को 93 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था. वे 3 बार देश के प्रधानमंत्री रहे. उन्हें 27 मार्च 2025 को भारत रत्न से नवाजा गया था. PM मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए लेख लिखा है. इसमें उन्होंने लिखा- 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और भारतीय जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है. वे स्टेट्समैन की तरह खड़े रहे और लोगों को प्रेरित करते रहे हैं.

PM ने आगे लिखा- अटल बिहारी वाजपेयी ने खरीद-फरोख्त नहीं की. डर्टी पॉलिटिक्स के रास्ते पर चलने के बजाय 1996 में इस्तीफा देना पसंद किया. 1999 में उनकी सरकार 1 वोट से गिर गई थी.

अटल देश के पहले गैर कांग्रेसी PM थे

25 दिसंबर 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में अटल जी का जन्म हुआ था. अटल बिहारी वाजपेयी दशकों तक भाजपा का बड़ा चेहरा थे और पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने बतौर PM कार्यकाल पूरा किया.

उन्होंने 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री मोराजी देसाई के मंत्रिमंडल में भारत के विदेश मंत्री के रूप में भी काम किया. 16 अगस्त 2018 को दिल्ली के एम्स अस्पताल में उनका निधन हो गया.

केंद्र ने 5 राज्यों के राज्यपाल बदले

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने मंगलवार शाम को 3 राज्यों में नए राज्यपाल नियुक्ति किए, जबकि दो राज्यों में राज्यपालों की अदला-बदली की.

1. मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया.

2. जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम (सेवानिवृत्त) को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया.

3. बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का राज्यपाल नियुक्त किया गया.

4. केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया.

5. अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल नियुक्त किया गया.

जनरल वीके सिंह इससे पहले भारतीय जनता पार्टी की ओर से सांसद और केंद्र सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं. हालांकि, साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में उन्हें चुनाव मैदान में नहीं उतारा गया था..

मानव तस्करी में शामिल हैं कनाडा के कॉलेज

- भारतीयों को भेजते हैं अमेरिका?
- जांच में जुटी ED

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कनाडाई कॉलेजों और भारतीय एजेंसियों के खिलाफ एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की है. यह मामला भारतीय नागरिकों को अमेरिका में तस्करी के प्रयास से जुड़ा है, जो कनाडा-अमेरिका सीमा के माध्यम से किया गया. रिपोर्ट के अनुसार, यह जांच उस घटना के बाद शुरू हुई, जिसमें गुजरात के डिंगुचा गांव के एक परिवार के चार सदस्य ठंड से मौत का शिकार हो गए थे. यह घटना 19 जनवरी, 2022 को अमेरिका में अवैध रूप से सीमा पार करने की कोशिश के दौरान हुई.

ईडी ने अहमदाबाद पुलिस द्वारा दर्ज एक एफआईआर का संज्ञान लेते हुए यह जांच शुरू की. इस एफआईआर में भावेश अशोकभाई पटेल और अन्य पर भारतीय नागरिकों को कनाडा के रास्ते अवैध रूप से अमेरिका भेजने की साजिश रचने का आरोप है. मामला धनशोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत दर्ज किया गया है.

कनाडा के कॉलेज और मानव तस्करी का नेटवर्क

ईडी ने खुलासा किया है कि आरोपी कनाडाई कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में फर्जी प्रवेश के माध्यम से यह तस्करी कर रहे थे. इन नागरिकों ने कनाडा के लिए छात्र वीजा के लिए आवेदन किया, लेकिन वहां पहुंचने के बाद कॉलेजों में शामिल नहीं हुए. इसके बजाय, वे अवैध रूप से अमेरिका में सीमा पार कर गए. जांच एजेंसी के मुताबिक, कनाडाई कॉलेजों को दिए गए फीस को बाद में छात्रों के खातों में वापस भेजा गया, जिससे इन संस्थानों की संलिप्तता पर सवाल खड़े हुए हैं. इस रैकेट के माध्यम से भारतीय नागरिकों से प्रति व्यक्ति 55 लाख से 60 लाख रुपये तक वसूले गए.

जयपुर LPG ब्लास्ट- 3 और लोगों ने दम तोड़ा

- मरने वालों की संख्या 18 हुई
- 15 लोग गंभीर हालत में हॉस्पिटल में एडमिट

जयपुर. जयपुर LPG टैंकर ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसी युवती सहित 3 और लोगों ने बुधवार को सवाई मान सिंह (SMS) हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया. इसी के साथ पिछले चार दिन में मरने वालों की संख्या 18 हो गई है. इसमें एक पूर्व IAS भी शामिल हैं. जयपुर-अजमेर हाईवे पर 20 दिसंबर की सुबह करीब पौने छह बजे हादसा हुआ था.

बुधवार सुबह करीब 4 बजे विजेता (22) निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) और सुबह करीब साढ़े नौ बजे विजेंद्र (36) निवासी भुरीबड़ाज, पावटा (जयपुर) ने दम तोड़ दिया. इसके बाद दोपहर एक बजे के आसपास घायल बंशीलाल (35) की भी मौत हो गई. विजेता और विजेंद्र क्रमशः 70-70 प्रतिशत झुलसे थे. गंभीर रूप से झुलसे 15 मरीजों का अभी सवाई मान सिंह (SMS) हॉस्पिटल के बर्न वॉर्ड में इलाज चल रहा है.

दोनों की बॉडी SMS हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवा दी गई है. मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम होने के बाद शव परिजनों को दिए जाएंगे. मंगलवार (24 दिसंबर) को भी 2 लोगों की मौत हुई थी. इसमें एटा (यूपी) के रहने वाले नरेश बाबू और नूंह (हरियाणा) के यूसुफ शामिल हैं.

SMS हॉस्पिटल में 2 वेंटिलेटर पर

SMS हॉस्पिटल के प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर राकेश जैन ने बताया- 18 लोगों की मौत हो चुकी है. मंगलवार को 2 लोगों की मौत के बाद बुधवार को भी सुबह 2 लोगों ने और दोपहर को एक व्यक्ति ने दम तोड़ा, जिनमें एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं. अब गंभीर रूप से घायल 1 मरीज को वेंटिलेटर पर रखा गया है. इसे मिलाकर कुल 15 का इलाज चल रहा है. इसके अलावा कुल 5 अन्य मरीजों को डिस्चार्ज किया जा चुका है. 3 को सोमवार को और 2 को मंगलवार को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया था.

दिल्ली दंगों के पोस्टर बॉय

शाहरुख पठान को भी टिकट दे सकती है ओवैसी की पार्टी

नई दिल्ली. ताहिर हुसैन के बाद दिल्ली दंगों के एक और आरोपी शाहरुख पठान को भी चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है. असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) ने पुष्टि तो नहीं की है, लेकिन संकेत जरूर दिए हैं. चर्चा है कि शाहरुख पठान को सीलमपुर सीट से उतारा जा सकता है. दिल्ली में फरवरी में चुनाव हो सकते हैं और ओवैसी की पार्टी करीब 10 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है.

इस चर्चा की शुरुआत तब हुई जब एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शोएब जमई ने दिल्ली दंगों के पोस्टर बॉय बन चुके शाहरुख पठान के घर जाकर उनके परिवार से मुलाकात की. दिल्ली दंगों के दौरान वह हथियार लहराते हुए दिखा था. उसने एक पुलिसकर्मी पर पिस्टल तान दी थी. शाहरुख इस समय जेल में बंद है. शाहरुख से पहले ओवैसी की पार्टी दंगों के एक और बड़े आरोपी ताहिर हुसैन को टिकट दे चुकी है.

जमई ने कुछ मीडिया चैनल्स

पठान की मां से मुलाकात की तस्वीर साझा

दो दिन पहले जमई ने एक्स पर पठान की मां से मुलाकात की तस्वीर साझा की. उन्होंने लिखा, 'पिछले दिनों जेल में बंद शाहरुख पठान के घर पर उनकी मां से मेरी मुलाकात हुई. दिल्ली मजलिस (AIMIM) का एक डेलिगेशन उनके परिवार से मुलाकात करके उनके हालात और कानूनी सहायता के सिलसिले में बातचीत की है. दिल्ली में इंसाफ की मुहीम में हमारा यह छोटा सा कदम कई परिवारों को हौसला देगा, जिनके बच्चे बिना ट्रायल के सालों से जेल में बंद है. सुप्रीम कोर्ट के अनुसार जमानत उन कैदियों का अधिकार है जिनके मामले लंबित हैं. उनकी मां का कहना है कि अरविंद केजरीवाल के इशारे पर ही उनके बेटे पर केस दर्ज किया गया और यह बात वह भूल नहीं सकेंगे.'

यूक्रेन ने किम जोंग के 3000 सैनिकों को मार गिराया

- रूस से लड़ाई के बीच जेलेंस्की का बड़ा दावा

रूस के साथ जारी संघर्ष के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है. 23 दिसंबर को जारी एक एक बयान में कहा कि रूस के कुर्स्क इलाके में रूसी सेना की तरफ से लड़े रहे उत्तर कोरिया के 3000 से अधिक सैनिकों की या तो मौत हो चुकी है या फिर वे घायल हैं. एक रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस ने अगस्त माह के शुरुआत से ही उत्तर कोरिया के लगभग 12,000 सैनिकों को यूक्रेन भेजा है. जेलेंस्की ने रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ती

सैन्य सहयोग को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की है. उन्होंने बताया कि इससे आधुनिक युद्ध तकनीक और सैन्य अनुभव का आदान-प्रदान हो सकता है. उन्होंने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया और रूस के बीच इस सहयोग से अतिरिक्त सैनिकों और सैन्य उपकरणों की आपूर्ति हो सकती है. इसके परिणामस्वरूप यूक्रेन को सख्त प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता होगी. जेलेंस्की ने यह भी कहा कि रूस और उत्तर कोरिया की बढ़ती साझेदारी से न केवल क्यूरेनियन सीमा, बल्कि पूरे कोरियाई प्रायद्वीप और आस-पास के क्षेत्रों में अस्थिरता का खतरा उत्पन्न हो सकता है.

मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों की संख्या से जुड़ी जानकारी का उल्लेख करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उनका यह आकलन यूक्रेनी खुफिया विभाग द्वारा एकत्रित आंकड़ों पर आधारित है. आपको बता दें कि दक्षिण कोरियाई सांसद ली सुंग-कों ने 19 दिसंबर को बयान जारी करते हुए कहा था कि 100 से अधिक उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए हैं और लगभग 1,000 घायल हुए हैं.

ICC ने चैंपियंस ट्रॉफी का शेड्यूल रिलीज किया

- भारत का ओपनिंग मैच बांग्लादेश से
- 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से भिड़ेंगे

ICC ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल मंगलवार को रिलीज कर दिया. हाइब्रिड मॉडल में होने वाला टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगा. 19 दिन में 15 मैच खेले जाएंगे. दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है. भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 23 फरवरी को दुबई में होगा.

भारत अपने सभी मैच दुबई में ही खेलेगा, टीम के ग्रुप में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड भी हैं. दुबई में ही एक सेमीफाइनल भी खेला जाएगा. अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो यह मैच भी दुबई में होगा. जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे. चैंपियंस ट्रॉफी 8 साल बाद होने जा रही है, 2017 में आखिरी बार पाकिस्तान ने भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

तारीख	मैच	वेन्यू	टाइम
19 फरवरी	पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड	कराची	2:30 PM
20 फरवरी	भारत बनाम बांग्लादेश	दुबई	2:30 PM
21 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका	कराची	2:30 PM
22 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड	लाहौर	2:30 PM
23 फरवरी	भारत बनाम पाकिस्तान	दुबई	2:30 PM
24 फरवरी	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड	रावलपिंडी	2:30 PM
25 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका	रावलपिंडी	2:30 PM
26 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड	लाहौर	2:30 PM
27 फरवरी	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	रावलपिंडी	2:30 PM
28 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया	लाहौर	2:30 PM
1 मार्च	साउथ अफ्रीका बनाम इंग्लैंड	कराची	2:30 PM
2 मार्च	भारत बनाम न्यूजीलैंड	दुबई	2:30 PM
4 मार्च	पहला सेमीफाइनल	दुबई	2:30 PM
5 मार्च	दूसरा सेमीफाइनल	लाहौर	2:30 PM
9 मार्च	फाइनल	दुबई/लाहौर	2:30 PM
10 मार्च	फाइनल रिजर्व डे		

नोट- अगर भारत क्वालीफाई किया तो फाइनल दुबई में खेला जाएगा

भारत ग्रुप-ए में है. टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं. वहीं दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान हैं. 4 और 5 मार्च को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा.

इससे पहले जब ICC ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाइब्रिड मॉडल में कराने की बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को बताई थी, तब PCB ने ICC के सामने भारत में टीम न भेजने की मांग रखी थी, जिसे अब ICC ने मान लिया है.

पंजाब में हमले करवा रहा ब्रिटिश सिख सैनिक, नाम और तस्वीर जारी

- अब आया UK का रिएक्शन

नई दिल्ली. हाल ही में पंजाब पुलिस ने खालिस्तानी आतंकी मॉड्यूल को लेकर एक बड़ा खुलासा किया. पुलिस को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के प्रमुख और पाकिस्तान में रह रहे रणजीत सिंह नीता द्वारा नियंत्रित आतंकी 'मॉड्यूल' की जांच के दौरान एक ब्रिटिश सिख सैनिक के बारे में सुराग मिला है. संदेह है कि राज्य में पुलिस थानों पर हाल ही में हुए ग्रेनेड हमलों के पीछे इसी ब्रिटिश सिख सैनिक का हाथ है. ब्रिटिश सेना के सैनिक जगजीत सिंह पर आतंकवाद में संलिप्तता के आरोपों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि इस नाम का कोई व्यक्ति वर्तमान में ब्रिटिश सेना में सेवा नहीं कर रहा है. वहीं, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने अपनी जांच का बचाव करते हुए कहा है कि यह मामला ब्रिटिश अधिकारियों के साथ 'उचित चैनलों' के माध्यम से उठाया जाएगा.

पंजाब पुलिस के डोजियर के अनुसार, जगजीत सिंह और उसके सहयोगी पंजाब में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए धार्मिक संप्रदायों के प्रमुखों को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे. पुलिस का कहना है कि उन्होंने युवाओं को पैसा और विदेश में पलायन का लालच देकर आतंकवादी गतिविधियों के लिए भर्ती करना शुरू किया. इस मामले में यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया और जगजीत सिंह को वांटेड अपराधी घोषित किया गया. 2021 में, उसका नाम तब सामने आया जब तरनतारन जिले के सोहल गांव के रहने वाले रंजीत सिंह से दो हथगोले और दो पिस्तौल बरामद हुए. इस घटना के संबंध में अमृतसर के एसएसओसी थाने में शस्त्र अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था.

ब्रिटिश मंत्रालय का जवाब और पुलिस की प्रतिक्रिया

ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि "इस नाम का कोई भी व्यक्ति ब्रिटिश सेना में सेवा नहीं दे रहा है. भारतीय अधिकारियों ने इस संबंध में हमसे कोई संपर्क नहीं किया है." मंत्रालय के प्रवक्ता रियान शिल्लाबीर ने पंजाब पुलिस द्वारा जारी एक तस्वीर पर भी सवाल उठाया और कहा कि यह तस्वीर किसी अन्य ब्रिटिश सिख सैनिक की है, जिसका नाम जगजीत सिंह से मेल नहीं खाता. इसके बावजूद, पंजाब के डीजीपी ने अपनी जांच का बचाव करते हुए कहा, "हमारी जानकारी गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पूछताछ और गहन जांच से प्राप्त हुई है. इस मामले को ब्रिटिश अधिकारियों के साथ उठाया जाएगा."

अल्लू अर्जुन को कांग्रेस की चेतावनी

CM के खिलाफ बोला तो तेलंगाना में फिल्में रिलीज नहीं होंने देंगे

हैदराबाद. तेलंगाना के कांग्रेस विधायक भूपति रेड्डी ने पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग में मची भगदड़ को लेकर एक्टर अल्लू अर्जुन को चेतावनी दी है. उन्होंने मंगलवार को कहा कि CM रेवंत रेड्डी के खिलाफ किसी भी तरह की आलोचना बर्दाश्त नहीं करेंगे. अगर अल्लू अर्जुन ने CM रेड्डी पर टिप्पणी की तो राज्य में उनकी फिल्में रिलीज नहीं होंने देंगे.

भूपति ने कहा कि आंध्र के रहने वाले अल्लू अर्जुन तेलंगाना सिर्फ काम के लिए आए हैं. उन्होंने तेलंगाना के लिए कोई महत्वपूर्ण योगदान नहीं दिया है. इसलिए उन्हें राज्य सरकार पर टिप्पणी करते समय सावधान रहना चाहिए. पुष्पा समाज को लाभ पहुंचाने वाली

फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक स्मगलर की कहानी है.

दरअसल, 4 दिसंबर को फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के समय हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ मची थी. पुलिस ने अल्लू अर्जुन के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया था.

इसे लेकर अल्लू ने 21 दिसंबर को कहा था कि संध्या थिएटर में जो कुछ हुआ, वह एक साधारण दुर्घटना थी. अल्लू के इसी बयान पर कांग्रेस विधायक ने उन्हें मंगलवार को चेतावनी दी है.

US के सुरक्षा सलाहकार ने लगाया मोहम्मद यूनुस को दे डाली सख्त चेतावनी

ढाका. बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हमलों के बीच संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने वहां की अंतरिम सरकार को सख्त चेतावनी दी है. हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र ने ढाका से आग्रह किया है कि वह देश के सभी नागरिकों के मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे. इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) जेक सुलिवन और बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई.

सुलिवन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता जताई है. व्हाइट हाउस द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने धर्म की परवाह किए बिना सभी लोगों के मानवाधिकारों का सम्मान करने और उनकी रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की.'

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका में बाइडन प्रशासन से सत्ता डोनाल्ड ट्रंप को सौंपने में केवल एक महीने से भी कम समय बचा है. ट्रंप अगले साल 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे.

बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले और हिंसा की घटनाएं जारी

हाल ही में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय और उनके पूजा स्थलों पर लगातार हमले हो रहे हैं. यह घटनाएं खास तौर पर शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से तेजी से बढ़ी हैं. व्हाइट हाउस ने 13 दिसंबर को कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और अमेरिका देश की अंतरिम सरकार को धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह ठहराएगा.

संक्षेप...

वेहले गांव में 1.65 रुपए की बिजली चोरी उजागर

भिवंडी. भिवंडी ग्रामीण स्थित वेहले गांव में बिजली चोरी का गंभीर मामला सामने आया है. टोरेंट पॉवर कंपनी एक्जीक्यूटिव कु. निकीता अशोक मोरे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी हेमंत भरत म्हात्रे के खिलाफ विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,आरोपी ने घर क्रमांक 103, हरीशचंद्र नगर, वेहले गांव, गावदेवी मंदिर के पास, बिजली मीटर को बायपास कर अवैध रूप से बिजली की चोरी की. अनाधिकृत कनेक्शन से बिजली का उपयोग कर कंपनी को 1.65 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया गया. शांतिनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

महाराष्ट्र में अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ एक्शन शुरू

देवेंद्र फडणवीस बोले- सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया है

मुंबई. महाराष्ट्र के विधानसभा सत्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अवैध रूप से भारत में रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर सरकार का रुख साफ कर दिया है. एक तरफ जहां राज्य में अवैध रूप से रहने वाले नागरिकों के लिए डिटेंशन सेंटर का निर्माण किया जाएगा तो वहीं सरकार की भूमिका है कि ऐसे सभी अवैध नागरिकों को डिपोर्ट किया जाए. इसे लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, सरकार की भूमिका बिल्कुल साफ है. ऐसे सभी बांग्लादेशी नागरिक जो भारत में अवैध रूप से रह रहे हैं उन्हें खोजने और उन्हें डिपोर्ट करना ही सरकार की भूमिका है और हमने इस काम की शुरुआत भी कर दी है. इसी तर्ज पर बीते दिनों मुंबई, नवी मुंबई, धुले, भिवंडी और राज्य के अन्य इलाकों में पुलिस द्वारा जमकर कार्यवाही की जा रही है.

बता दें कि बीते दिनों मुंबई की कफ परेड पुलिस ने एक ऐसे बांग्लादेशी

नागरिक को गिरफ्तार किया था, जो 34 साल पहले मुंबई में डंकी रूट के जरिए दाखिल हुआ था. सूत्रों ने बताया कि आरोपी बांग्लादेशी नागरिक है जो चटगांव का रहने वाला है. उसका नाम मोइन हयात बादशाह शेख साल है. महज 17 साल की उम्र में अवैध रूप से वह भारत में घुसा था. तब से वह भारत और बांग्लादेश के बीच कई बार आवाजाही कर चुका है. पुलिस ने बताया कि एंटी टेररिस्ट सेल (ATC) को जानकारी मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक यहां दक्षिण मुंबई में कई साल से रह रहा है. इसके बाद डीसीपी जोन-1 प्रवीण मुंढे ने एक टीम बनाई. इस टीम ने जांच के बाद मोइन को हिरासत में ले लिया. जांच के दौरान पता चला कि आरोपी डंकी रूट से भारत आया था और इसके पास अब भारत का वोटर आईडी भी है, जिसका इस्तेमाल कर उसने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान भी किया था.

बांग्लादेशियों के पास भारत के दस्तावेज

इतना ही नहीं, शेख के पास से पुलिस को इंडिया का आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस भी मिला है. जांच में पता चला कि शेख 1990 में जब पहली बार मुंबई आया था, तब से मुंब्रा, कुर्ला, गोवंडी और परेल में बच्चों को उर्दू और कुरान पढ़ाना शुरू किया. हालांकि, उसके पास पासपोर्ट नहीं है. शेख कफ परेड के अंबेडकर नगर में एक घर का मालिक भी है, जहां वह अपने परिवार के साथ रहता है. वह आखिरी बार 2021 में बांग्लादेश गया था. पुलिस को ऐसे कई मामले मिले हैं, जिनमें न केवल आरोपियों के पास से भारत के दस्तावेज बरामद हुए हैं बल्कि वे कई बार उन दस्तावेजों की मदद लेकर विदेश यात्रा भी कर चुके हैं.

नितेश राणे बोले- बांग्लादेशी रोहिंग्या देश के लिए खतरा

राज्य सरकार में मंत्री नितेश राणे लंबे समय से अवैध बांग्लादेशियों पर कार्रवाई करने की मांग करते रहे हैं. ऐसे में उनका कहना है कि बांग्लादेशी रोहिंग्या देश के लिए खतरा हैं और उन पर कार्रवाई होनी चाहिए. अधिकारियों के अनुसार, भारत में न्यायिक प्रक्रिया में बांग्लादेशी नागरिकों को दोषी ठहराने और उनकी सजा पूरी होने के बाद उन्हें निर्वासित करने में कम से कम एक दशक लग जाता है. अवैध अप्रवासी इस लंबी प्रक्रिया का फायदा उठाते हुए कई सालों से भारत में रह रहे हैं और जाली दस्तावेजों, ख़ास तौर पर आधार कार्ड के ज़रिए सरकारी योजनाओं का फायदा उठा रहे हैं. अवैध प्रवासी बड़ी ही आसानी से आधार कार्ड बनवा लेते हैं लेकिन जांच एजेंसियों को उन्हें कैंसल करवाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है और यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसकी वजह से वे आधार कार्ड का सहारा लेकर अन्य डॉक्यूमेंट बनवा लेते हैं.

क्या बोले डीसीपी अमित काले....

नवी मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित काले ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देश के आधार पर भी बांग्लादेशियों पर कार्रवाई हो रही है. हम इस मामले में उस एजेंट को भी आरोपी बनाएंगे जो नकली दस्तावेज बनाने में आरोपियों की मदद करता है. ज्यादातर पश्चिम बंगाल की तरफ से डॉक्यूमेंट बनाए जाते हैं और आधार कार्ड बनाने के लिए जाली दस्तावेज दिए जाते हैं और एक बार आधार कार्ड बन गया तो उसका आधार लेकर अन्य डॉक्यूमेंट बनाए जाते हैं. पिछले एक सप्ताह में हमने 55 ऐसे लोगों को आईडेंटिफाई किया है और उनका वेरिफिकेशन चल रहा है, जिनमें से 10 लोग बांग्लादेश के हैं. ऐसी पुष्टि हमारी जांच में हुई है कानूनी प्रक्रिया के साथ-साथ हमने उनके डिपोर्टेशन का प्रोसेस भी शुरू कर दिया है ताकि उन्हें जल्द से जल्द वापस भेजा जा सके.

27-28 दिसंबर को भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

■ मौसम विभाग ने दी चेतावनी

ठाणे. मौसम विभाग ने 26 दिसंबर से महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का पूर्वानुमान लगाया है. 27 दिसंबर को खानदेश क्षेत्र (नासिक संभाग), मध्य महाराष्ट्र (पुणे संभाग), उत्तरी मराठवाड़ा और पश्चिमी विदर्भ के कुछ हिस्सों में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है. 28 दिसंबर को खानदेश, मराठवाड़ा के उत्तरी जिलों और विदर्भ के कुछ क्षेत्रों में आंधी के साथ अधिक बारिश होने की संभावना है.

कृषि विभाग ने इन प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को मौसम के अपडेट पर कड़ी नज़र रखने और उसके अनुसार अपनी कृषि गतिविधियों की योजना बनाने की सलाह दी है. फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित

नुकसान को कम करने के लिए किसानों के लिए मौसम के पैटर्न में इन बदलावों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है. विभाग ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हालांकि पूर्वानुमान में विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग बारिश की भविष्यवाणी की गई है, लेकिन आंधी की संभावना के कारण किसानों को एहतियाती उपाय करने की आवश्यकता हो सकती है, खासकर खड़ी फसलों की सुरक्षा के लिए.

यह मौसम पैटर्न, तेज हवाओं और बारिश की संभावना के साथ मिलकर इन क्षेत्रों में चल रहे कृषि कार्यों को प्रभावित कर सकता है. इसलिए, किसानों को दैनिक मौसम पूर्वानुमानों पर अपडेट रहने और अपनी उपज की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. कृषि विभाग किसानों को इन बदलती मौसम स्थितियों से बेहतर तरीके से निपटने में मदद करने के लिए स्थिति पर सलाह और अपडेट देना जारी रखेगा.

IAS अधिकारियों के ट्रांसफर

■ सीएम के ज्वाइंट सेक्रेटरी का भी तबादला

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

मुंबई. महाराष्ट्र में नई सरकार बनने के बाद पहली बार 10 आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. इनमें बेस्ट के महाप्रबंधक अनिल दिग्गिकर और सीएम के ज्वाइंट सेक्रेटरी राधाकृष्णन भी शामिल हैं. इसके अतिरिक्त गढ़चिरौली और वर्धा के कलेक्टर का भी ट्रांसफर किया गया है.

1. अनिल दिग्गिकार (1990 बैच के IAS) जो कि बेस्ट के महाप्रबंधक हैं और मुंबई में कार्यरत हैं.. उन्हें दिव्यांग कल्याण विभाग, मंत्रालय का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है.

2. डॉ. हर्षदीप कांबले (1997 बैच के आईएएस) जो कि इंडस्ट्री, ऊर्जा और श्रम विभाग के प्रधान सचिव हैं. उन्हें बेस्ट का नया महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है. वह अनिल दिग्गिकार की जगह ले रहे हैं.

3. डॉ. अंबलगन पी. (2001 बैच के आईएएस) जो कि MAHAGENCO के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हैं उन्हें उद्योग, ऊर्जा और श्रम विभाग, मंत्रालय में सचिव के तौर पर नियुक्त किया गया है.

4. डॉ. राधाकृष्णन बी. (2008 बैच के आईएएस) जो कि मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव हैं, उन्हें MAHAGENCO का नया चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है.

5. संजय डैने (2012 बैच के आईएएस) जो कि गढ़चिरौली के कलेक्टर हैं उन्हें नागपुर में टेक्सटाइल कमिश्नर बनाया गया है.

6. राहुल कारिडले (2015 बैच के आईएएस) जो कि वर्धा के कलेक्टर हैं उन्हें नासिक म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के म्यूनिसिपल कमिश्नर नियुक्ति किया गया है.

7. वानमथी सी. (2015 बैच की आईएएस) जो कि स्टेट टैक्स की ज्वाइंट कमिश्नर हैं उन्हें वर्धा की नई कलेक्टर बनाया गया है.

8. संजय पवार (2015 बैच के आईएएस) जो कि चंद्रपुर में जिला परिषद के चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर हैं उन्हें स्टेट टैक्स मुंबई में ज्वाइंट कमिश्नर बनाया गया है.

9. अविश्यंत पांडा (2017 बैच के आईएएस) जो कि नागपुर में टैक्सटाइल कमिश्नर हैं उन्हें गढ़चिरौली का कलेक्टर बनाया गया है.

10. विवेक जॉनसन (2018 बैच के आईएएस) को चंद्रपुर का जिला परिषद का चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर बनाया गया है.

11. अन्नासाहेब दादू चव्हान (सीएससी प्रमोटेड) जो कि पुणे डिविजन में डिप्टी कमिश्नर (रेवेन्यू) हैं उन्हें महात्मा फुले जीवनदाई आरोग्य योजना सोसाइटी का चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर बनाया गया है.

12. गोपीचंद मुरलीधर कदम (एससीएस प्रमोटेड) को सोलापुर स्मार्टसिटी का सीईओ बनाया गया है.

एयरबैग से 6 साल के बच्चे की मौत

■ सामने चल रही SUV से टकराई कार

■ अचानक एयरबैग खुलने से झटका लगा, जान गई

नवी मुंबई. नवी मुंबई के वाशी में 6 साल के बच्चे की मौत कार के एयरबैग के कारण चली गई. कार दुर्घटना के कारण एयरबैग अचानक खुल गया और झटका लगने से उसकी मौत हो गई. मृतक बच्चे का नाम हर्ष है. उसके पिता मावजी अरोठिया मंगलवार रात को अपने बच्चों को पानीपुरी खिलाने ले जा रहे थे. हर्ष ड्राइवर सीट के बगल वाली सीट पर बैठा था.

रात करीब 11.30 बजे वे वाशी के सेक्टर-28 में ब्लू डायमंड

होटल जंक्शन के पास थे. उनकी कार के आगे एक SUV कार चल रही थी. तेज रफ्तार से चल रही SUV अचनाक डिवाइडर से टकराई.

पीछे चल रही वैगनार कार (जिसमें हर्ष बैठा था) का बोनट SUV से टकराया. झटका लगने के कारण अचानक एयरबैग खुला और हर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

डॉक्टर बोले- अंदरूनी चोट के कारण मौत हुई

डॉक्टर ने कहा कि हर्ष के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे, उसकी मौत पॉलीट्रॉमा शॉक के कारण हुई है. पॉलीट्रामा शरीर में एक से अधिक स्थानों पर लगी अंदरूनी चोट को कहते हैं. इंटरनल इंजरी के कारण हर्ष की बॉडी में अंदर खून बहता रहा और हर्ष की मौत हो गई.

SUV चला रहे शख्स के खिलाफ केस दर्ज

पुलिस ने एक्सीडेंट को लेकर जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने SUV चला रहे शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही बाकी की जानकारी दी जाएगी.

आनंदनगर में भीमसैनिकों ने गृहमंत्री अमित शाह को फोटो जलाकर किया विरोध

ठाणे. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में संविधान के निर्माता भारतरत्न डॉ बाबासाहेब आंबेडकर के विषय में विवादित बयान को लेकर पूरे देश में विरोध चल रहा है. कोपरी पूर्व आनंदनगर में दो हजार से अधिक भीमसैनिकों ने गृहमंत्री अमित शाह के विरोध में रैली निकाली. इस अवसर पर मिलिंद बनकर, पत्रकार आनंद कांबले, प्रविणभाऊ गायकवाड, विजय दलवी, सोनाली सरदार, निलेश खैरे, संदीप बनकर, वृषाली दलवी-जाधव, भरत उबाले, हिरा वानखेडे, योगेंद्र (बाला) हाटे , महादेव बोकडे, प्रवीण झेंडे, राहुल कांबले, सुभाष भोसले, शरद वायदंडे, उत्तम खाडे, पत्रकार नितीन दूधसागर, रवींद्र बच्छाव, हरेश दारोले सहित बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए.

अवैध रेत खनन नहीं रोकने पर होगा आंदोलन

■ सांसद बाल्या मामा की तहसीलदार को चेतावनी

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. कशेली की खाड़ी से बड़े पैमाने पर डेजर और सक्शन पंप की मदद से होने वाले अवैध खनन पर राजस्व विभाग की भ्रष्ट रवैया के खिलाफ भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने राजस्व विभाग को चेतावनी दी है कि जल्द ही अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई, तो भूमिपुत्र खुद मशीनों को तोड़ देंगे. सांसद बाळ्या

मामा ने तहसीलदार अभिजीत खोले से मुलाकात कर इस मुद्दे पर चर्चा की. उन्होंने राजस्व विभाग की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह मामला स्थानीय लोगों के जीवन और पारंपरिक व्यवसाय से जुड़ा हुआ है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.सांसद म्हात्रे ने कहा कि खाड़ी के किनारे बसे गांवों में कई वर्षों से डुबी के जरिए रेत खनन का परंपरागत चल रहे व्यवसाय को महाराष्ट्र मेरीटाइम बोर्ड द्वारा डुबी से रेत खनन पर रोक लगाकर डेजर और सक्शन पंप से खनन की अनुमति देने के कारण हजारों स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है. नई मशीनों के जरिए बड़े पैमाने पर अवैध रेत खनन हो रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि स्थानीय भूमिपुत्रों को भी उनकी आजीविका से वंचित किया जा रहा है. पिछले कई वर्षों से खाड़ी क्षेत्र में डेजर की मदद से अवैध रेत खनन हो रहा है, लेकिन राजस्व विभाग इस पर कार्रवाई करने में नाकाम रहा है.उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मामले पर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थानीय लोग खुद आंदोलन करेंगे और मशीनों को क्षतिग्रस्त कर देंगे. तहसीलदार अभिजीत खोले ने सांसद बाल्या मामा को भरोसा दिया कि, आगामी शुक्रवार को ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय में उक्त मुद्दे पर विशेष बैठक आयोजित की जाएगी. बैठक में सभी संबंधित पक्षों के साथ चर्चा कर आवश्यक समाधान निकाला जाएगा. सांसद बाल्या मामा ने कहा कि राजस्व विभाग को स्थानीय भूमिपुत्रों और रेत व्यवसायियों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए.अगर जिलाधिकारी की बैठक में कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ, तो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर डेजर और सक्शन पंपों पर कार्रवाई की जाएगी.

मोहम्मद रफी संगीत जगत के महान कलाकार : आनंद बनसोडे

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

उल्हासनगर. मोहम्मद रफ़ी एक लोकप्रिय पार्श्वगायक और संगीत विश्व के महान कलाकार थे. उक्त मत स्नेरांजलि कराओके स्टूडियो के संचालक (गायक) आनंद बंसोडे ने व्यक्त किए हैं. यह बात उन्होंने उल्हासनगर में मोहम्मद रफी की 100वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए व्यक्त की.

प्रसिद्ध गायक मोहम्मद रफी की 100वीं जयंती के अवसर पर संचालक आनंद बनसोड़े और कार्यकारी निदेशक आतिश बनसोड़े की पहल पर स्नेहांजलि करा ओके स्टूडियो, लक्ष्मी अपार्टमेंट ग्राउंड फ्लोर लालचक्की उल्हासनगर नंबर 04 होली फैमिली स्कूल के सामने एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. उस वक्त आनंद बनसोडे बोल रहे थे

सबसे पहले मोहम्मद रफी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. (गायक) आनंद बनसोडे ने अपने भाषण में आगे बोलते हुए कहा कि 20वीं सदी के महान गायक पद्मश्री मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज के जरिए देशभक्ति, प्रेम, सद्भावना और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की कोशिश की. इस बार बेस्ट सिंगर, आनंद बनसोडे, कमलदास वाघ, सुजल करमरकर, प्रकाश वानखड़े, सवकारे, उज्वला खरात, आतिश बनसोडे, किशोर भोसले, गोखले मंडम सहित अन्य सिंगर मुख्य रूप से उपस्थित थे.

रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़ कर लिया हिस्सा

ठाणे. शहर में स्थित वागले इस्टेट कामगार अस्पताल परिसर के पास ठाणे जिला सिविल अस्पताल व शिवशांति प्रतिष्ठान की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया.यह रक्तदान शिविर जिला शल्य चिकित्सक डॉ कैलाश पवार के मार्गदर्शन व जिला अतिरिक्त शल्य चिकित्सक डॉ धीरज महांगड़े के निर्देश पर किया गया.सिविल अस्पताल के डॉ गिरीश चौधरी ने बताया कि राज्यभर के सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंक में ब्लड की बहुत कमी है इसलिए साल भर में कम से कम दो बार रक्तदान

करने के लिए आवाहन किया.संस्था के संस्थापक एड विनय कुमार सिंह ने कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन सभी संस्थाओं को सरकारी अस्पताल के सलंग्न करना चाहिए ताकि इसका लाभ जरूरत मंद मरीजों को मिल सके.साथ ही उन्होंने ने साल भर में हर चार महीने में रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिए सिविल अस्पताल के डॉक्टर से कहा.सिविल अस्पताल की डॉ अश्विनी घोटे, डॉ मिनाज सिद्दीकी, डॉ आदित्य नागापुरकर, डॉ कुणाल खांडेल, विजया पावले ने उपस्थित हुए लोगों का ब्लड कलेक्ट किया.

इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक दिलीप बारटक्के, अमित सरैया,पंडित राममिलन शुक्ला,समाजसेवक कुलदीप तिवारी, सुधीर सिंह, विजयप्रताप सिंह, मनीषा सिंह, राजेश तिवारी, संजय झा, लक्ष्मी मौर्या, एड शिक्षा संस्कार, रंजीत सिंह, सत्यप्रकाश शुक्ला, ज्ञानेंद्र उपाध्याय, सुधांशु बिसोइ, सूरज राजभर, मनीष सिंह, धर्मेंद्र विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे.

तुलसी पूजन दिवस मना

दिवा. श्री प्रयागराज सेवा फाउंडेशन परिवार द्वारा दिवा में तुलसी पूजन दिवस धूमधाम से मनाया गया. दिवा पूर्व के शांति नगर स्थित दलवी नगर में संस्था के संस्थापक त्रिवेणी प्रसाद तिवारी की पहल पर उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया. समस्त उपस्थित जनों ने तुलसी के पौधे की पूजा अर्चना की. सभी को तुलसी का पौधा वितरण किया गया. इस मौके पर शामराव विठ्ठल शिंदे, पांडुरंग बाबाजी वरक, ऋतिका नारायण भुवड, कल्पना संजू तिरुवा, दुर्वा दशरथ सावंत और रेश्मा किरण शेलार आदि मौजूद थी.

रेप केस में फंसे कोरियोग्राफर की तारीफ कर फंसीं कियारा

■ ट्रोल होने पर एडिट किया कैप्शन

■ शेयर किया था डांस का रिहर्सल वीडियो

कियारा आडवाणी जल्द ही राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर में नजर आने वाली हैं. यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी. हाल ही में फिल्म का गाना 'धोप' जारी किया गया. इसी बीच, कियारा ने इस गाने के डांस रिहर्सल का एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें कोरियोग्राफर मास्टर जानी का जिक्र था, जो रेप के आरोपी हैं. इसके बाद यूजर्स कियारा पर बुरी तरह भड़क गए. हालांकि, बाद में कियारा ने अपना कैप्शन बदल दिया.

दरअसल, कियारा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'मुझे याद है जब मैंने मास्टर जानी की कोरियोग्राफी देखी थी, तो मुझे लगा था कि हम इसे कैसे क रें गे , लेकिन यही हमारे काम की खास बात है कि हम हमेशा कुछ नया सी ख ते रहते हैं.'

कियारा का कैप्शन पढ़कर लोग भड़क गए. एक ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बॉलीवुड एक्टर्स को किसी भी चीज से फर्क नहीं पड़ता.', दूसरे ने लिखा, 'कियारा ने ये क्यों लिखा है, जब जानी मास्टर को ज मा न त मिलने के बाद हुए हंगामे और उ न के रा ष्ट्र ी य पु र स्का र के वापस लिए जाने की खबरें आई थीं?', तीसरे ने लिखा, 'महिला होते हुए आपने अपनी पोस्ट में जानी मास्टर का नाम क्यों लिया? क्या आपको उनकी हाल की खबरों के बारे में नहीं पता?'.

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के बाद कियारा ने अपने कैप्शन से जानी मास्टर का नाम हटा दिया और फिर उन्होंने निर्देशक और को-एक्टर की तारीफ की.

फिल्म गेम चेंजर में राम चरण डबल रोल में नजर आएंगे. उनके साथ कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे स्टार्स भी हैं. फिल्म में राम चरण एक आईएएस अधिकारी का किरदार निभाते हैं, जो भ्रष्ट व्यवस्था को चुनौती देता है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099